

सलेक पुं. (तत्.) (तैत्तिरीय संहिता में वर्णित) एक आदित्य का नाम।

सलेमशाही स्त्री. (अर.) दे. सलीमशाही।

सलैला वि. (देश.) रपटीला, इतना चिकना कि पैर फिसल जाए।

सलोक वि. (तत्.) 1. एक ही लोक का वासी 2. लोगों से युक्त, समाज से युक्त (तद्.) श्लोक।

सलोकता स्त्री. (तत्.) (देवता आदि के साथ) एक ही लोक में रहने का सौभाग्य, सामीप्य।

सलोना दे. 'सलूना'।

सलोनापन पुं. (तद्.) 1. खारापन 2. सौंदर्य।

सलोनी वि.स्त्री. (तद्.) सलोना का स्त्रीलिंग रूप।

सल्लतनत स्त्री. (अर.) साम्राज्य, अधिकार क्षेत्र, हुकूमत।

सल्ल पुं. (तद्.) सरल नाम का एक वृक्ष विशेष, काँटा।

सल्लकी स्त्री. (तद्.) शल्लकी (सलई) का वृक्ष।

सल्लम पुं. (देश.) एक प्रकार का मोटा कपड़ा।

सल्ली स्त्री. (तद्.) दे. सल्लकी।

सल्लू वि. (तद्.) सरल या सीधा पुं. (देश.) चमड़े की डोरी।

सव पुं. (तत्.) 1. सोमरस निकालने की प्रक्रिया 2. यज्ञ 3. सूर्य 4. चंद्र 5. पुष्परस 6. तर्पण 7. जल (तद्.) शव।

सवत स्त्री. (देश.) सपली, सौत।

सवतिया दे. सावत।

सवत्स वि. (तत्.) जो बच्चे के साथ हो टि. प्रायः 'सवत्सा' शब्द का प्रयोग होता है, सवत्सा गौ का अर्थ बछड़े सहित गाय है।

सवन पुं. (तत्.) 1. सोमरस निकालना 2. सोमरस का पान 3. यज्ञ के बाद का स्नान 4. प्रसव।

सवनिक वि. (तत्.) सवन से संबंधित।

सवय वि. (तत्.) समान आयु वाला, हम-उम्र, समवयस्क।

सवयस्क दे. सवय।

सवर पुं. (तत्.) 1. जल 2. महादेव, शिव।

सवर्ण वि. (तत्.) 1. समान रंग, रूप, जाति या वर्ग वाला 2. शुद्र के अतिरिक्त अन्य वर्ण 3. व्या. समान उच्चारण स्थान वाले वर्ण जैसे- च और श् दोनों के उच्चारण स्थान एक (तालु) होने के कारण सवर्ण माने जाते हैं।

सवर्ण विवाह पुं. (तत्.) ऐसा विवाह जिसमें वर-वधू सवर्ण हो।

सवर्णा स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य की पत्नी छाया 2. 'सवर्ण' का स्त्रीलिंग रूप।

सवाँग पुं. (देश.) स्वांग।

सवाँगना अ.क्रि. (देश.) कृत्रिम वेश बनाना, किसी अन्य का रूप बनाकर स्वयं को प्रस्तुत करना।

सवा वि. (तद्.) (किसी संख्या से) एक का चौथाई भाग अधिक जैसे- $74 + 1/4 =$ सवा चौहत्तर।

सवाई वि. (तद्.) 1. किसी से थोड़ा अधिक जैसे- बाप से बेटा सवाई 2. पद में कुछ बड़ा 3. जयपुर के महाराणाओं की उपाधि।

सवाक् वि. (तत्.) 1. बोलता हुआ 2. वाणी से युक्त विलो. अवाक्।

सवाब पुं. (अर.) पुण्य, अच्छे कार्य का फल।

सवाया वि. (तद्.) किसी संख्या या राशि इत्यादि से उसका चौथाई भाग अधिक जैसे- आठ का सवाया आठ और दो अर्थात् दस, चालीस किलो का सवाया पचास किलो इत्यादि।

सवार वि. (फा.) घोड़ा, हाथी आदि पशु या रथ, पालकी, गाड़ी आदि पर बैठा हुआ यात्री जैसे- घुड़सवार, हाथी पर सवार।

सवारी स्त्री. (फा.) 1. किसी वाहन पर सवार होने का भाव, क्रिया आदि 2. यात्रा में प्रयुक्त वाहन 3. वाहन पर सवार व्यक्ति 4. यात्रा (जुलूस) जैसे- महाराज की सवारी आने वाली है।

सवारे क्रि.वि. (देश.) 1. प्रातः, सवेरे 2. आने वाला कल ।